

పి.యం శ్రీ కేంద్రీయ విద్యాలయ తేనాలి



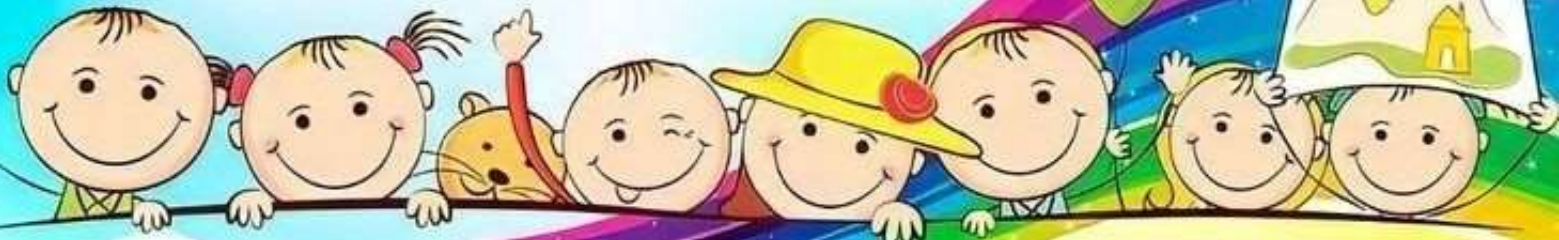
पी एम श्री केंद्रीय विद्यालय तेनाली



PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA TENALI

CMP NEWSLETTER (2025-26)

मधुकोश



OUR PATRONS



Dr. D MANJUNATH
(DEPUTY COMMISSIONER , KVS RO HYDERABAD)



Shri. REJI V.R. NATH
(ASSISTANT COMMISSIONER,
KVS RO HYDERABAD)



Smt. G KRISHNAVENI
(ASSISTANT COMMISSIONER,
KVS RO HYDERABAD)



Smt. P ANURADHA
(ASSISTANT COMMISSIONER,
KVS RO HYDERABAD)



Shri. A. A. ISRAEL
(ASSISTANT COMMISSIONER,
KVS RO HYDERABAD)

FROM PRINCIPAL'S DESK



" Education is not the filling of a pail, but the lighting of a fire. " - Plutarch

The first Annual Edition of the CMP newsletter of PM SHRI Kendriya Vidyalaya Tenali is in your hands. It provides a glimpse into the whole range of activities being organized at PM Shri KV Tenali during the current session 2025-26.

The Primary section of the Vidyalaya boasts a team of qualified and, competent teachers whose endeavour is to conduct all the teaching-learning activities in a learner-friendly atmosphere.

Striving incessantly to promote impressive communication skills among the students in both English and Hindi, the primary teachers are leaving no stone unturned to attain the Foundational Literacy and Numeracy, while the Balavatika staff teach the tiny tots in the activity method preparing them for Class I. With 4 Cycle Tests in each Term, Learner's Achievement Test in classes III and V, Oral Reading Fluency in classes III and above, it is an intensive, challenging regimen spurring the learners to hone their skills and deepen their understanding and awareness. In addition, games and sports as well as CLA provide the icing on the cake ensuring the all-round development of the learners. This Newsletter offers a few vignettes of the teaching-learning activities being organized in the Vidyalaya and the utilization of various teaching aids including the interactive panels. Suggestions for improvement are always welcome.

PRIMARY STAFF



Mrs. K VIJAYALAKSHMI
(PRT)



Mrs. T DEEPTI KAMAL
(PRT)



Mr. S PAVAN KUMAR
(PRT)



Mr. GAURAV KUMAR
(PRT)



Ms. PRAGATI YADAV
(PRT)



Mr. MD SHAHBAZ ASHRAF
(PRT)



Ms. NEHA BANSAL
(PRT)



Mr. ANAND SHANKAR
(PRT)

PRIMARY STAFF



Mrs. P P HEPSIBA
(PRT)



Ms. I GEETHIKA
(PRT)



Mr. B S Rao
(PRT)



Mrs. K KEZIYA
(PRT)



Mrs. VANI
(BV-3 Tr.)



Mrs. TEJASWINI
(BV – 3 Tr.)



Mrs. B T S SOWJANYA
(Comp.Instructor)



ENGLISH ARTICLES

Where have you gone !

Not here, Not there
Where have you gone ?
Not on the sofa, Not under the cot
Not in the box , not under the table
Where have you gone ?
I have looked in every room,
Where have you gone ?
"Look what I found in the park!
It can sway, it can bounce!" said Granny with a giggle.
Oh Granny ! Thank you so much !
You have found my dear Yo-Yo ! - Akhil Prasad , IV B

I Have a Friend !

I have a friend that never talks,
It stands beside my garden walks,
It gives me shade , it gives me air,
Oh! lovely tree , you are always there.



- K Dinesh , IV B

Riddles

1. What goes up and down but doesn't move ?
2. What has an eye but cannot see ?
3. What gets wet when it dries ?
4. What runs but never walks ?
5. What travels around the world by staying in a corner ?

Answers:

1. stairs 2. needle 3. towel 4. river
5. Stamp

- Md.Akila , IV B

I Like to Do

I like to play , play , play
With my friends La... La...
I like to dance , dance , dance
With my teacher La...La...
I like to study , study , study
With my big sister La...La...
I like to do every good thing
In my life La...La...

- Anaya Saini , III A

My Teacher !

Thank you teacher !
You are so kind,
You gave me joy and peace,
You helped me dream,
You gave me hope,
You taught me so
I would not mope.

- G Pravasthi , IV B



ENGLISH ARTICLES



Once upon a time, there was a small village. In the village, there lived a family in an old hut. They had a girl child and she studied well. Whenever she got good marks in the exam, her father used to give her Rs.100.



One day she saw an old woman starving nearby a mart. She walked to the mart and bought fruits, rice and an umbrella with Rs.50.



She walked up to the old woman and gave the things she bought. She also gave the remaining Rs.50 to the old woman. She gave everything that she had and went back to her home.



She didn't know that the woman was a goddess in disguise. When she went home, she was surprised to see a new house in place of her old hut. And the house was filled with many valuable things.

Moral: God appreciates those who help the needy.

- K Bhvishya , IV A





नाम : कट्टा विजयालक्ष्मी

पद : प्राथमिक शिक्षिका

स्वरचित देशभक्ति कविता

शीर्षक : वीर जवान

नील गगन के नीचे

भारत की धरती पर

आज़ादी की सांस ले रहे हैं हम

ये आज़ादी देन हैं हमको

उन वीर शहीदों की

जिन्होंने जान अपनी गवाई

इस देश की खातिर

जिन्होंने लहू अपना बहाया

इस भारत माँ की खातिर

हैं शत कोटि नमन

उन वीर जवानों को

जिन्होंने अपना परिवार नहीं

अपने देश के लिए सोचा

आओ चलो हम भी कुछ करें

और कुछ नहीं तो

भारत को स्वच्छ ही करें

गाँधी जी और मोदी जी का सपना साकार करें

जिन देश में जन्मे

गाँधी, नेहरू और अम्बेडकर

वो भारत देश हैं मेरा

जहाँ डाल डाल पर सोने की

चिड़िया करती हैं बसेरा

वो भारत देश हैं मेरा

वो भारत देश हैं मेरा ॥



धरती माँ का उद्धार करो

दूर अंतरिक्ष में विस्फोट हुआ,
 जो जीवन का स्रोत हुआ।
 जन्मी धरती, बन गया अम्बर,
 आया मनुष्य जो कभी था बन्दर।
 वक्रत बढ़ा और जीवन बदला,
 हटा कर छप्पर बनाया बंगला।
 अब जो ताज़ी हवा ना हमको भाई,
 CO₂ की मात्रा और बढ़ाई।
 अब तो पानी का भी मोल दिया,
 फिर भी नाला-कचरा उसी में खोल दिया,
 लकड़ी की कुर्सी पर बैठे मौसम पर शोक मनाते हैं।
 काट-काट कर हरे वृक्ष हम यही कुर्सियाँ बनाते हैं।
 बस मैं इतना कहना चाहता हूँ—
 उठो, जागो और विचार करो, अपनी आदतों में सुधार करो।
 यदि चाहिए भविष्य में धरती, अब तो तुम हुंकार भरो—
 “धरती माँ का उद्धार करो,
 धरती माँ का उद्धार करो।”

- श्री मोहम्मद शाहबाज अशरफ (पी आर टी)

उगता बीज - जीवन का सारांश

एक छोटा सा बीज ज़मीन में बोया था,
 एक दो तीन दिन में छोटा पौध उगा था।
 पानी, धूप और मिट्टी ने प्यार से सिखाया था,
 कुछ ही दिनों में बड़ा सा पेड़ बना था।
 आते-जाते लोग उसकी छाया में सोता था,
 गर्मी से बचकर पेड़ के नीचे आराम करता था।
 फिर एक दिन उस पेड़ में मीठा फल लगा था,
 माली ने देखा तो मन ही मन खुश हुआ था।
 बाज़ार गया, फल बेचा और रूपया पाया,
 उन्ही पैसों से एक नया बीज लाया था।
 फिर से मिट्टी में प्यार से वो बीज बोया था,
 वक्रत के साथ फिर एक बड़ा पेड़ होगा।
 रूपये से रुपैया, और बीज से पेड़ बनता है,
 छाया से जीवन मिलता है, यही जीवन का सार
 सिखाता है।

- प्रकीर्त श्रीराम , II B





ईमानदारी की जीत

एक गाँव में एक आदमी रहता था। उसका नाम अमर था। वह बहुत लालची था। वह चीजें चुराता ताकि पैसे ना देने पड़े। ऐसा वह रोज करता था। एक दिन गांव में एक आदमी आया। वह सबसे अच्छे से रहता था। उसका नाम अजय था। एक दिन अमर एक दूकान से छुपके से चोरी कर रहा था। तभी यह सब अजय ने देख लिया था। वह अमर के पास गया और बोला, " क्या कर रहे हो ? " अमर बोले, " कुछ भी तो नहीं। " " मुझे सच सच बताओ या मैं पुलिस को बुलाऊ " अजय बोला। अमर बोला, " मैं बताता हूँ। मैं चोरी कर रहा था पर मैं आधा माल तुमको दे दूँगा। " अजय बोला, " ठीक है। " तभी अजय ने सबको बुलाया और कहा, " यह चोर है इसको पकड़ लो। " फिर अमर को पकड़ के पुलिस को दे दिया।

नैतिक :- चोरी करना एक बुरी आदत है और बुरे काम का नतीजा हमेशा बुरा होता है।

- प्रांजल महेश हडोले , V A

मेरा विद्यालय पर कविता

मेरा प्यारा , प्यारा स्कूल ,
बगीचे में होता सुन्दर फूल।
यहाँ हम पढ़ना - लिखना सीखें ,
शिक्षक देते ज्ञान के फूल।

साथी कक्षा हम खेलें - गाएं ,
मिलकर सब खुशियाँ मनाएँ।
शिक्षक हमें अच्छी बातें सिखाते ,
सही राह पर चलना बताते।

स्कूल हमारी मंदिर है,
याग लगता सुन्दर है।
सुबह - शाम यहाँ आते ,
हँसते - गाते घर को जाते।

- वि इषिता , V A





हिंदी लेख

दुनिया रंग-बिरंगी

नीला! जैसे खुश अमरा है
सागर से नीला पानी है,
गौर के रंग रंग हैं,
और धूप पर बैठे फली हैं।

पीला! जैसे समझना सुख है,
पका आम और काला है,
सब्रियों में नींबू है,
और सूरजमुखी का फूल है।

लाल! जैसे फलों में रस है,
खुराबदार फूल गुलाब है,
चैरी और लाल टमाटर है,
और मेरी नाक पर फुंसी है।

Joshikanjali, III A

सूखी सीखें

सूरज की किरणों से सीखें,
जगना और जमाना।
लता और पड़ों से सीखें,
सबको जल लगाना।
दीपक से सीखें जितना
हो सके, अँधेरा हरना।
पृथ्वी से सीखें प्राणी की,
सच्ची सेवा करना।
और धूल से सीखें हलम,
ऊँची ही पर चढ़ना।

P Aaradhya, III A

किसान

मही हुआ है खूबी सुबह,
पूर्व की लाली पहचान,
चिड़ियों के जगने से पहले,
खेत छोड़ आ गया किसान।

कितना पिनकर बैलों की ले,
करते चला खेत पर काम,
मही कभी त्योहार न छुट्टी
उससे नहीं कभी आराम।

मकस-मकस न चाली रस-रस,
घरलो जगती तब सख्त,
तब आ करत काम खेत पर,
बिना किए आस किसान।

P Aishwarya, III A

एक छोटा बीज

एक छोटा बीज
जमीन के अंदर था।
आँख बंद करके,
वो सोया रहता था।

टिपूर-टिपूर पानी
बीज पे गिरता था।
ससकते, ससकते, ससकते
वो ससकते चला गया।

एक समय आया,
सूरज प्रकाश लाया
सूरज के किरणों बीसी,
अब बहुत सो गया।

बीज ने लीं अंगड़ाई,
और वो उठ गया।

इधर, उधर देखते
वो नाचने लगा।

एक छोटा पौधा,
अब पेठ से बदल गया।

आते-जाते लोगों को,
वो छाँव देने लगा,

छाँव देने लगा,
छाँव देने लगा।

Anaya Saini, III A

CREATIVE CORNER



K Sahasra , IV A



M Thanvi Sri , IV B



G Diya Sathwika , VA



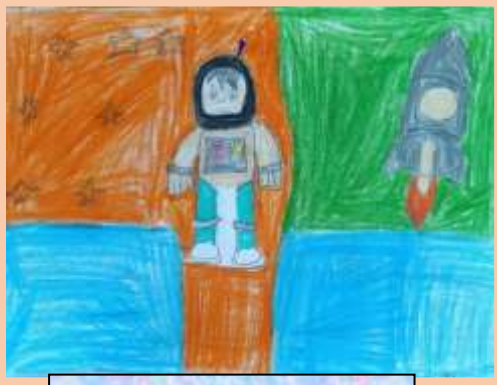
N Hitesh Nawndhan, IV B



D Yamini, V B



Y Lalithya , IV A



Mohammad Anas , IV B



Anaya Saini , III A



Joshikanjali , III A





GLIMPSES OF PRIMARY ACTIVITIES

Vidya Pravesh for Class I



Parent Teacher Student Meeting



Investiture Ceremony





Cubs and Bulbuls Activities



Grandparents' Day



Community Lunch



Hindi Diwas





Classroom Activities



Building As Learning Aid (BALA)

